Orchid

OSR SERIES

धरा

हिंदी व्याकरण

उत्तर पुस्तिका 5

Orchid Publications (P) Ltd.

पाठ 1 भाषा और व्याकरण

(1) मौखिक उत्तर दीजिए–

(क) भाषा वह साधन है, जिसके द्वारा हम बोलकर, सुनकर, लिखकर या पढ़कर अपनी बात दूसरो तक पहुँचाते है, और दूसरो की बातो को समझते है।

(ख) भाषा के दो रूप होते है।

(क) मौखिक भाषा (ख) लिखित भाषा

(ग) किसी भी भाषा की लिखावट या लिखने के ढंग को लिपि कहते है।

(2) रिक्त स्थानो की पूर्ति कीजिए–

(क) 14 सिंतबर 1949 (ख) भाषा (ग) भाषण, बोलचाल (घ) पत्र, समाचार पत्र

(3) सही और गलत बताइए–

(क) गलत (ख) सही (ग) गलत (घ) सही (ड) गलत

(4) उत्तर लिखिए–

(क) हिंदी की लिपि देवनागरी एंव अग्रेंजी की लिपि रोमन है।

(ख) किसी छोटे से क्षेत्र में प्रयुक्त होने वाला भाषा का अल्पविकसित रूप बोली कहलाता है।

(ग) व्याकरण के ज्ञान से मनुष्य भाषा को अर्थपूर्ण लिखने व बोलने के लिए सक्षम हो जाता है।

(घ) जब बोली का क्षेत्र बढ़ जाता है और उसमें साहित्य रचना की जाने लगती है, तो वह उपभाषा बन जाती है।

भाषा खेल

छी गई वर्ग पहेली से दस भारतीय भाषाओं के नाम ढूँढकर लिखिए–

(1) हिंदी (2) उर्दू (3) ओड़िया (4) पंजाबी (5) गुजराती (6) तेलुगु (7) मराठी

(8) तमिल (9) मलयालम (10) कोंकणी

पाठ 2 वर्ण विचार

(1) मौखिक उत्तर दीजिए–

(क) भाषा की सबसे छोटी ध्वनि को वर्ण कहते है। इसके टुकड़े नही हो सकते है।

(ख) **स्वर :–** इन्हे बोलने के लिए किसी अन्य वर्ण की सहायता नही ली जाती है। इनकी संख्या 11 होती है।

(ग) **व्यंजनः–** इन्हे बोलने के लिए स्वरो की सहायता ली जाती है। इनकी संख्या 33 होती है।

(2) हस्व और दीर्घ स्वरो को अलग अलग करके लिखिए–

हस्व स्वर	दीर्घ स्वर
अ, इ, उ, ऋ	आ, ई, ऊ, ए, ऐ, ओ, औ

(3) नीचे लिखे स्वरों की मात्राओं से दो दो शब्द बनाइए–

आ ा आम काम

इ ि किताब किसान

ई ी दीवार बीमार

उ ु कुछ कुसुम

ऊ ू फूल दूर

ऋ ृ मृग गृह

ए े केला पेठा

ऐ ै बैल पैसा

ओ ो मोर चोर

औ ौ औरत कौआ

(4) ऑ के उच्चारण वाले चार अग्रेंजी शब्द बनाइए–

(1) डॉल (2) बॉल (3) डाक्टर (4) फुटबॉल

(5) नीचे लिखे वर्णो का दो दो शब्दों में प्रयोग करिए–

(क) (ड) पड़ना उड़ना

(ख) (ढ) ढक्कन ढँकना

(ग) (तः) अतः प्रातः

(घ) (श) शीश शरीर

(6) द्वित व्यंजनो का प्रयोग करते हुए छह शब्द बनाइए–

(1) कच्चा (2) खट्टा (3) पक्का (4) धक्का (5) चम्मच (6) बिल्ली

(7) अंतस्थ और ऊष्म व्यंजन को अलग अलग करके लिखिए–

अंतस्थ : य, र, ल, व

ऊष्म व्यंजन : श, ष, स, ह,

(8) संयुक्त और द्वित व्यंजन वाले शब्द छाँटकर अलग अलग स्थान पर लिखिए–

संयुक्त व्यंजन	द्वित व्यंजन
कक्षा	अम्मा
श्रम	कच्चा
त्रिकोण	गत्ता
अज्ञान	रसगुल्ला

(9) 'र' के विविध रूपों का प्रयोग करते हुए तीन तीन शब्द लिखिए–

र रथ रंग रस

ं कर्म धर्म शर्म

्र ग्रह प्रातः क्रम

^ राष्ट्र ट्रेन ट्रे

(10) अनुस्वार (ं) तथा अनुनासिक (ँ) से बने आठ आठ आठ शब्द लिखिए–

अनुस्वार (ं) – रंग, अंग, हंस, कंस, हिंदी, अंगूर, कंगन, दंगल।

अनुनासिक (ँ) – चाँद, कौआ, हँसना, चिड़ियाँ, गाँधी, आँख, हँस, कुआँ।

(11) उत्तर लिखिए–

(क) व्यंजन के भेद–

(1) स्पर्श व्यंजन – जिन व्यंजन को बोलते समय मुख के दो भाग आपस में पूरी तरह छुएँ उन्हे स्पर्श व्यंजन कहते है।

(2) अंतस्थ व्यंजन – इन व्यंजनो का उच्चारण स्वर और व्यंजन के मध्य होता है। जैसे– य, र, ल, व।

(3) ऊष्म व्यंजन – ऐसे व्यंजन जिनका उच्चारण करते समय वायु मुख में टकराकर ऊष्मा पैदा करती है। उन्हें

पाठ 3 शब्द विचार

(1) मौखिक उत्तर दीजिए–

(क) वर्णो के सार्थक मेल को शब्द कहते है,शब्दो का एक निश्चित अर्थ होता है।

(ख) स्त्रोतो के आधार पर शब्दो के चार भेद होते है–

(1) तत्सम शब्द अग्नि

(2) तद्भव शब्द आम

(3) देशज शब्द जूता

(4) विदेशी शब्द स्कूल

(2) निम्नलिखित तत्सम शब्दों के तद्भव रूप लिखिए–

तत्सम शब्द	तद्भव शब्द
मयूर	मोर
आम्र	आम
ग्राम	गाँव
दधि	दही
सूर्य	सूरज

(3) नीचे लिखे वर्णो को जोड़कर शब्द बनाइए–

(क) अनार (ख) रमन (ग) अध्यापक (घ) ईमानदारी

(4) चित्रो के नाम का वर्ण विच्छेद करिए–

प+ए+ड्+अ = पेड़ श्+ए+र्+अ = शेर प्+ौ+ध्+आ = पौधा

ह्+इ+र्+अ+न्+अ = हिरन घ्+ओ+ड़्+आ = घोड़ा त्+ओ+त्+आ = तोता

(5) निम्नलिखित शब्दों में से तत्सम, तद्भव और विदेशी शब्द छाँटकर लिखिए–

तत्सम शब्द	तद्भव शब्द	विदेशी शब्द
अग्र	हड्डी	स्टेशन
आष्ट	पत्ती	पार्टी
पूत	रानी	इंजन
वाती	साग	बैच

पाठ 4 वाक्य

(1) मौखिक उत्तर दीजिए–

(क) दो या दो से अधिक शब्दो के सार्थक मेल को वाक्य कहते है।

(ख) उद्देश्य– वाक्य में जिसके बारे में कुछ कहा जाता है,वह उद्देश्य कहलाता है। इसके अंतर्गत मुख्यतः कर्ता आता है। जैसे– राम स्कूल जा रहा है। इस वाक्य में राम उद्देश्य है।

विधेय – उद्देश्य के विषय में जो कुछ भी कहा जाता है, उसे विधेय कहते है। जैसे– राम स्कूल जा रहा है। इस वाक्य में राम को छोड शेष वाक्य विधेय है।

(2) निम्नलिखित वाक्यों में से उद्देश्य और विधेय को अलग अलग करके लिखिए–

उद्देश्य	विधेय
नमन	खाना खा रहा है।
शाहजहाँ	ने ताजमहल बनवाया
हिमालय	भारत के उत्तर में स्थित है।
रोज व्यायाम	स्वास्थ्य के लिए लाभदायक होता है।
प्रवण	गृहकार्य कर रहा है।
बच्चे	उपवन में खेल रहे है।
रमन	किताब पढ़ रहा है।

(3) अर्थ के आधार पर वाक्यों के भेद लिखिए–

(क) विधानवाचक (ख) संकेतावाचक (ग) विधानवाचक (घ) संदेहावाचक (ड) प्रश्नवाचक

(4) कोष्ठक में दिए गए शब्दों से वाक्यों को जोड़कर लिखिए–

(क) मंत्री जी आए तो सब लोग उठकर खड़े हो गए।

(ख) आयुष क्रिकेट टीम का कैप्टन है और आयुष का भाई फुटबॉल टीम का कैप्टन है।

(ग) राजेश के पास मारूति कार है पर राजेश को होंड़ा सिटी अच्छी लगती है।

(घ) तुम अभी पढ़ लो या तुम अभी खेल लो।

(ड) नेहा ने परीक्षा की पूरी तैयारी की पर परीक्षा नहीं दे पाई।

(5) रचना के आधार पर वाक्यों के भेद लिखिए–

(क) सरल वाक्य (ख) मिश्र वाक्य (ग) संयुक्त वाक्य

(6) उत्तर लिखिए–

(क) रचना की दृष्टि से वाक्य के तीन भेद है।

(1) सरल वाक्य (2) मिश्र वाक्य (3) संयुक्त वाक्य

(ख) अर्थ की दृष्टि से वाक्य आठ प्रकार के होते है।

(1) विधानवाचक (2) निषेधात्मक (3) प्रश्नवाचक (4) आज्ञावाचक (5) इच्छावाचक

(6) संदेहावाचक (7) संकेतावाचक (8) विस्मयादिबोधक

पाठ 5 संज्ञा

(1) मौखिक उत्तर दीजिए–

(क) किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान आदि के नाम को नाम को संज्ञा कहते है।

(ख) संज्ञा के तीन भेद होते है–

(1) व्यक्तिवाचक संज्ञा (2) जातिवाचक संज्ञा (3) भाववाचक संज्ञा

(2) निम्नलिखित शब्दों से भाववाचक संज्ञा बनाइए–

पढ़ना – पढ़ाई	बनाना – बनाई	लिखना – लिखाई
कमाना – कमाई	चोर – चोरी	उदास – उदासी
पंडित – पंड़िताई	मधुर – मधुरता	शिशु – शैशव
सुंदर – सुंदरता	ढंग – ढंगी	मोटा – मोटापा
गंदा – गंदगी	मीठा – मिठास	मलिन – मलिनता

(3) रिक्त स्थानो की पूर्ति सही शब्द चुनकर कीजिए–

(क) सुंदरता (ख) गहराई (ग) ऊँचाई (घ) हरियाली (ड) वीरता

(4) चित्र देखकर व्यक्तिवाचक, जातिवाचक, तथा भाववाचक संज्ञा लिखिए–

हिमालय	महात्मा गाँधी	विराट कोहली
पर्वत	नेता	खिलाड़ी
ऊँचा	बुढापा	यौवन

भाषा खेल

नीचे दी वर्ग पहेली में से संज्ञा शब्द चुनकर लिखिए–

गुलाब	झूला
धर्म	तरबूज

बाजार	टमाटर
नदी	बर्फी
रात	सड़क
हलवा	दरपण
कार	रथ

दिए गए उत्तर संकेतो को पढ़िए। वर्ग पहेली के रिक्त स्थानों में एक एक अक्षर भरकर संकेतों में दिए गए शब्दों के विलोम शब्द बनाइए–

ऊपर से नीचे	**बाएँ से दाएँ**
(1) अपकीर्ति	(1) अस्वस्थ
(2) विकर्षण	(3) स्वाभाविक
(3) स्थूल	(5) मृत
(4) विषाद	(6) विष
(6) विपक्ष	(7) अनुपयुक्त
(8) एक	(8) क्रय

पाठ 6 संज्ञा के विकार लिंग

(1) मौखिक उत्तर दीजिए–

(क) संज्ञा शब्द के जिस रूप से उसके स्त्री या पुरूष जाति के होने का पता चले उसे लिंग कहते है।

(ख) लिंग दो प्रकार के होते है–

(1) स्त्रीलिंग (2) पुल्लिंग

(2) निम्नलिखित शब्दों के स्त्रीलिंग रूप लिखिए–

पुत्र – पुत्री	कबूतर – कबूतरी
छात्र – छात्रा	मामा – मामी
लड़का – लड़की	बेटा – बेटी
नाना – नानी	लोटा – लुटिया
चाचा – चाची	भील – भीलनी

(3) इन शब्दों के पुल्लिंग रूप लिखिए–

स्त्री – पुरूष	हथिनी – हाथी
सास – ससुर	पाठिका – पाठक
माँ – बाप	मुर्गी – मुर्गा
रानी – राजा	मेढ़की – मेढ़क

(4) रिक्त स्थानो की पूर्ति स्त्रीलिंग या पुल्लिंग लिखकर कीजिए–

(क) पुल्लिंग (ख) पुल्लिंग (ग) स्त्रीलिंग (घ) स्त्रीलिंग (ड) स्त्रीलिंग

(5) निम्नलिखित रंगीन शब्दो के लिंग बदलकर वाक्य दोबारा बनाइए–

(क) मालिन पौधो को पानी दे रही है।

(ख) शेरनी हाथी पर झपटी।

(ग) नाईन नाखून काट रही है।

वचन

(1) मौखिक उत्तर दीजिए–

(क) संज्ञा शब्द के जिस रूप से उसके एक या अनेक होने का पता चलता है, उसे वचन कहते है।

(ख) वचन दो प्रकार के होते है–

(1) एकवचन (2) बहुवचन

(2) वचन बदलिए–

(क) बेटा (च) साड़ी

(ख) कमरा (छ) गाली

(ग) दीवारें (ज) खिडकियाँ

(घ) कुटियाँ (झ) चूहा

(ड) अध्यापिकाएँ (त) गाय

(3) रिक्त स्थान में कोष्ठक से चुनकर उचित शब्द लिखिए–

(क) अध्यापिकाएँ (ख) कविता (ग) साड़ी (घ) मकानों (ड़) दुकान

(4) चित्र देखिए और उसका बहुवचन रूप लिखकर उसे वाक्य में प्रयोग कीजिए–

बिल्लियाँ गुब्बारे

बिल्लियाँ दूध रही है। गुब्बारे उड़ रहे है।

बस्तें औरतें कौएँ

बस्तें रखे हुए है। औरतें खड़ी है। कौएँ डाल पर बैठे है।

कारक

(1) मौखिक उत्तर दीजिए–

(क) संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से वाक्य के अन्य शब्दो, विशेष रूप से क्रिया के साथ उसका संबध जाना जाता है, वह कारक कहलाता है।

(ख) कारक के आठ भेद होते है।।

(2) रंगीन शब्दो के कारक सामने लिखिए–

(1) अधिकरण (2) सम्बोधन (3) अपादान (4) अधिकरण (5) संप्रदान

(6) सम्बोधन (7) कर्ता (8) संप्रदान

(3) उचित मिलान कीजिए–

करण	से
अधिकरण	मे, पर
कर्ता	ने
संबोधन	हे! अरे!
कर्म	को
संबध	का, के, की
अपादान	से (अलग होना)
संप्रदान	के लिए

(4) निम्नलिखित वाक्यों में परसर्ग नहीं लगे है। उचित परसर्ग लगाकर वाक्य पुनः लिखिए–

(क) बरतन में पानी भर लो।

(ख) महेश ने सुरेश को बुलाया।

(ग) मामा जी पर कुर्सी बैठे है।

(घ) गिलास से पानी गिर गया।

(ड) सुनील बस में बैठा है।

पाठ 7 सर्वनाम

(1) मौखिक उत्तर दीजिए–

(क) जो शब्द संज्ञा के स्थान पर प्रयोग किए जाते है, वे सर्वनाम कहलाते है।

(ख) सर्वनाम के छः भेद होते है।

(1) पुरूषवाचक सर्वनाम (2) निश्चयवाचक सर्वनाम (3) अनिश्चयवाचक सर्वनाम (4) संबधवाचक सर्वनाम

(5) निजवाचक सर्वनाम (6) प्रश्नवाचक सर्वनाम

(2) निम्नलिखित सर्वनाम शब्दों का प्रयोग वाक्यों में कीजिए–

(क) यह – यह मेरा घर है।

(ख) कौन – तुम कौन हो?

(ग) मैं – मैं स्कूल जा रहा हूँ।

(घ) वह – वह पढ़ रही है।

(ड) स्वंय – अपना काम स्वंय करना चाहिए।

(3) सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए–

(क) किसी (ख) कोई (ग) खुद (घ) किसने (ड) कोई

(4) सर्वनाम शब्दों के वचन बदलकर वाक्य दोबारा लिखिए–

(क) मैं दुकान जा रहा हूँ।

(ख) वे सच बोल रहे है।

(ग) हम स्कूटर रोक कर उतर गए।

(घ) वे आज दिल्ली जाऐंगे।

(ड) तेरा भाई आया है।

(5) इन वाक्यो को शुद्व करके लिखिए–

(क) मेरे को अभी जाना है।

(ख) आप कहाँ से आ रहे है।

(ग) उन्हें बस पकड़नी है।

(घ) उसकी कार मेरे घर के पास है।

(ड) तुम्हारा भाई आया है।

(च) क्या तुमने खाना खाया है?

(छ) मुझे खाना नही खाना है।

(ज) तुमको भी साथ चलना पड़ेगा।

पाठ 8 विशेषण

(1) मौखिक उत्तर दीजिए–

(क) संज्ञा या सर्वनाम शब्दों की विशेषता बताने वाले शब्दो को विशेषण कहते है।

(ख) विशेषण के चार भेद होते है–

(1) गुणवाचक (2) संख्यावाचक (3) परिणाम वाचक (4) सार्वनामिक

(2) दिए गए शब्दों के उत्तरावस्था और उत्तमावस्था के रूप लिखिए–

मूलावस्था	उत्तरावस्था	उत्तमावास्था
दानी	दानीतर	दानीतम
प्रिय	प्रियतर	प्रियतम

वीर	वीरतर	वीरतम
उच्च	उच्चतर	उच्चतम
दृढ़	दृढ़तर	दृढ़तम

(3) दिए गए शब्दों के विशेषण रूप लिखिए–

खेल – खिलाडी	युग – स्वर्ण युग
दान – दानी	दिन – प्रतिदिन
परिवार – परिवारिक	आदर – आदरणीय
ऊपर – ऊपरी	तीन – तीसरा
मास – मासिक	यूरोप – यूरोपीय
राष्ट्र – राष्ट्रीय	शर्म – शर्मिला

(4) खाली स्थान भरिए–

(क) गीला (ख) बहुत (ग) दोनो (घ) पंजाबी (ड) नीला

(5) उत्तर लिखिए–

(क) संख्या बताने वाले विशेषण संख्यावाचक विशेषण होते है। जैसे – दो तोते डाल पर बैठे है।

माप तौल बताने वाले विशेषण परिणामवाचक विशेषण होते है। जैसे– नेहा दो मीटर कपड़ा लाई।

(ख) विशेषण शब्द जिन संज्ञा या सर्वनाम शब्दों की विशेषता बताते है, उन्हे विशेष्य कहते है।

भाषा खेल

चित्र देखकर विशेषण और विशेष्य लिखिए–

चॉकलेट आइसक्रीम	हरा पेड़	गर्म चाय	नीला फूल
विशेषण – चॉकलेट	विशेषण – हरा	विशेषण – गर्म	विशेषण – नीला
विशेष्य – आइसक्रीम	विशेष्य – पेड़	विशेष्य – चाय	विशेष्य – फूल

पाठ 9 क्रिया

(1) मौखिक उत्तर दीजिए–

(क) जिस शब्द से काम का होना या करना पाया जाता, उसे क्रिया कहते है।

(ख) कर्म की दृष्टि से क्रिया के दो भेद होते है– सकर्मक क्रिया और अकर्मक क्रिया।

(2) नीचे लिखे वाक्यों में से सकर्मक क्रियाओ के वाक्यों के आगे 'सकर्मक' और अकर्मक क्रियाओं के वाक्यों के आगे 'अकर्मक' लिखिए।

(क) अकर्मक (ख) अकर्मक (ग) सकर्मक (घ) अकर्मक (ड) अकर्मक (च) अकर्मक

(छ) अकर्मक (ज) अकर्मक

(3) निम्नलिखित वाक्यों में क्रिया शब्दों को रेखांकित कीजिए, तथा उनके सामने उनके भेद लिखिए।

(क) खोना, सकर्मक क्रिया

(ख) पीना, सकर्मक क्रिया

(ग) लगाना, सकर्मक क्रिया

(घ) बाँटना, सकर्मक क्रिया

(ड) करना, अकर्मक क्रिया

(च) बनाया, अकर्मक क्रिया

(4) नीचे लिखे वाक्यों में से प्रेरणार्थक क्रिया छाँटकर लिखिए–

(क) मँगवाई (ख) लिखवाया (च) उठवाया (घ) मँगवाया

(5) सही मिलान कर वाक्य लिखिए–

(क) सीमा नृत्य दिखा रही है।

(ख) रजनी शिमला घुमने जाएगी।

(ग) नमन विघालय गया।

(घ) आसमान में बादल गरज रहे है।

(ड) बस समय पर पहुँच जाएगी।

(6) उत्तर लिखिए–

(क) सकर्मक किया – ऐसी किया जिसमें कर्म की आवश्यकता होती है, सकर्मक किया कहलाती है।

अकर्मक किया – ऐसी किया जिसमें कर्म की आवश्यकता नही होती है, अकर्मक किया कहलाती है।

(ख) प्रेरणार्थक किया – जिस किया से कर्ता के स्वंय करने का बोध न होकर किसी अन्य से कराए जाने का बोध होता है,उसे प्रेरणार्थक किया कहते है। उदाहरण – नेहा ने अंशु से सब्जी मँगवाई। गोपाल ने अंकित से पत्र लिखवाया।

(ग) संयुक्त किया – जब दो या दो से अधिक कियाएँ एक साथ प्रयोग की जाती है, तब किया को संयुक्त किया कहते है।

भाषा खेल

किया	**सकर्मक/अकर्मक**	**लिंग**	**वचन**
खेलना	सकर्मक	स्त्रीलिंग	एकवचन
पेना	सकर्मक	स्त्रीलिंग	एकवचन

पाठ 10 काल

(1) मौखिक उत्तर दीजिए–

(क) किया के जिस रूप से उसके संपन्न होने के समय का ज्ञान होता है, उसे काल कहते है।

(ख) काल के तीन भेद होते है– (1) भूतकाल (2) वर्तमान काल (3) भविष्य काल

(2) नीचे लिखे वाक्यों की किया भूतकाल की है। इन वाक्यों को वर्तमान और भविष्य काल में परिवर्तित कीजिए–

(क) वर्तमान काल – राकेश महेश को बॉल देता है।

भविष्यत काल – राकेश महेश को बॉल देगा।

(ख) वर्तमान काल – मनोहर चौका लगाता है।

भविष्यत काल – मनोहर चौका लगाएगा।

(ग) वर्तमान काल – नेहा पत्र लिखती है।

भविष्यत काल – नेहा पत्र लिखेगी

(घ) वर्तमान काल – ललिता पढ़ पढ़ती है

भविष्यत काल – ललिता पढ़ेगी।

(3) निम्नलिखित कियाओं के काल के भेद लिखिए–

(क) वर्तमान काल (ख) भविष्य काल (ग) वर्तमान काल (घ) भूतकाल (ड) वर्तमान काल

(च) भविष्य काल (छ) वर्तमान काल

(4) निम्नलिखित वाक्यों की कियाओं के सही काल पर सही का निशान लगाइए–

(क) वर्तमान काल (ख) भविष्य काल (ग) भूतकाल (घ) वर्तमान काल

(5) उत्तर लिखिए–

(क) किया के जिस रूप से यह पाता चले की काम अभी हो रहा है,उसे वर्तमान काल कहते है।

(ख)) किया के जिस रूप से यह पाता चले की काम बीते समय मे पूर्ण हो चुका है, वह भूतकाल कहलाता है।

पाठ 11 अविकारी शब्द क्रियाविशेषण

(1) मौखिक उत्तर दीजिए–

(क) जो शब्द क्रिया के काल, स्थान, रीति आदि की विशेषताएँ बताते है, उन्हें क्रियाविशेषण कहते है।

(ख) क्रियाविशेषण के चार भेद होते है–

(1) स्थानवाचक (2) कालवाचक (3) रीतिवाचक (4) परिणामवाचक

(2) नीचे लिखे वाक्यों में आए क्रियाविशेषण शब्दों को छाँटिए और उनके भेद के नाम सामने लिखिए–

	क्रियाविशेषण	भेद
(क)	हँसते हँसते	स्थानवाचक
(ख)	जाना	काल वाचक
(ग)	खेलना	रीतिवाचक
(घ)	जाँऊगा	काल वाचक

(2) उत्तर लिखिए–

(क) परिणाम वाचक क्रियाविशेषण से क्रिया की मात्रा या परिणाम का बोध होता है।

(ख) जो शब्द क्रिया की स्थान संबधी विशेषता का बोध कराते है, उन्हे स्थानवाचक क्रियाविशेषण कहते है।

(संबंध बोधक)

(1) मौखिक उत्तर दीजिए–

(क) संबंधबोधक वे अविकारी शब्द है,जो संज्ञा या सर्वनाम के बाद आकर उनका संज्ञा या सर्वनाम के साथ संबंध का बोध कराते है।

(2) सही संबंधबोधक शब्दों से रिक्त स्थान भरिए–

(क) के बिना (ख) के अंदर (ग) के पीछे (घ) की तरह

(3) दिए गए संबंधबोधक अव्ययों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

(क) के बदले – बच्चो तुम लोगो को मोबाइल के बदलें खिलौनो से खेलना चाहिए।

(ख) की वजह – कल्पना चावला की वजह से हमारे देश का नाम रोशन हो गया।

(ग) के समान – हमें चीटीं के समान मेहनत करनी चाहिए।

(घ) से दूर – हमें बुराई से दूर रहना चाहिए।

(ड) के बराबर – राम लम्बाई में श्याम के बराबर है।

(4) संबंधबोधक शब्द चुनकर लिखिए–

(क) के पास (ख) के सामने (ग) के बिना (घ) के समान

(समुच्चयबोधक)

(1) मौखिक उत्तर दीजिए–

(क) जो अव्यय दो शब्दो, दो वाक्यांशो अथवा दो वाक्यों को जोड़ते है, उन्हें समुच्चय बोधक कहते है।

(ख) तथा, और , एंव, लेकिन, किंतु, परंतु, अथवा, या, आदि, समुच्चय बोधक के भेद है।

उदाहरण – नमन और रमन सगे भाई है।

(2) उचित योजक शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए–

(क) परंतु (ख) नही तो (ग) अन्यथा (घ) या (ड) जो

(3) समुच्चय बोधक शब्द से वाक्य जोड़कर एक वाक्य बनाइए–

(क) नमन परिश्रमी तो है परंतु प्रतिभाशाली नहीं है।

(ख) बारिश तेज थी और रानी स्कूल नही जा सकी।

(ग) रमेश खेलने न जा सका क्योकि वह बीमार था।

(घ) सीमा ने बहुत मेहनत की और उसने कक्षा मे प्रथम स्थान प्राप्त किया।

(4) नीचे लिखे वाक्यों के रिक्त स्थानों को समुच्चयबोधक शब्दों से भरिए–

(क) और (ख) क्योकि (ग) अन्यथा (घ) तो (ड) अन्यथा

(विस्मयदिबोधक)

(1) मौखिक उत्तर दीजिए–

(क) जो अव्यय शब्द विस्मय, हर्ष, शोक, घृणा, आदि तीव्र मनोभावो को व्यक्त करते है, उन्हे विस्मयदिबोधक अव्यय कहते है।

(2) निम्नलिखित रिक्त स्थानो की पूर्ति विस्मयदिबोधक अव्यय लगाकर कीजिए–

(क) ओह! (ख) ओह! (ग) वाह! (घ) सावधान! (ड) छिः छिः! (च) वाह!

(3) वाक्य बनाइए–

अहा! – अहा! मै पास हो गया।

शाबाश! – शाबाश! बेटा तुमने हमारा नाम रोशन कर दिया।

छिः! – छिः! तुमने नकल की।

हायः! – हायः! मेरा सामान चोरी हो गया।

सावधान! – सावधान! आगे सड़क खराब है।

चुप! – चुप! हो जाओ।

भाषा खेल

राहुल ने दिनभर काम किया।

धीरे धीरे बारिश होने लगी।

चिड़ियाँ सुबह चहचहाती हैं।

लड़ाई करना बुरी बात है।

पाठ 12 विराम चिह्न

(1) मौखिक उत्तर दीजिए–

(क) लिखते समय अपनी बात को स्पष्ट करने के लिए जिन चिह्नो का प्रयोग करते है, उन्हे विराम चिह्न कहते है।

(ख) पूर्ण विराम को वाक्य के अन्त में प्रयोग करते है।

(ग) प्रश्नवाचक चिह्न प्रश्नावाचक वाक्यों के अन्त में लगाया जाता है।

(2) इन संकेतो के लिए सही विराम चिह्न लिखिए–

प्रश्नवाचक ? पूर्ण विराम ।

योजक चिह्न – विस्मयदिबोधक !

अल्प विराम , विवरण चिह्न :–

(3) दिए गए विराम चिह्न से दो दो वाक्य बनाइए–

। – राम स्कूल जाता है।

माता जी खाना बना रही है।

! – वाह! कितना अच्छा मौसम है।

काश! मैं भी एक डॉक्टर होता।

? – तुम्हारा क्या नाम है?

तुम कहाँ रहते हो?

, – उसे मत रोको, जाने दो।

सुनो, यह एक अच्छा लड़का है।

(4) नीचे लिखे गए वाक्यों में यथास्थान विराम चिह्न लगाकर लिखिए–

प्रकृति का समस्त सौंदर्य जिस देश की स्थायी संपत्ति है, पृथ्वी का स्वर्ग कश्मीर जिसे केसर के फूल भेंट करता है। संसार का आठवाँ आश्चर्य ताजमहल जिसकी कला का लोहा पूरा विश्व मानता है, इसकी शोभा बढ़ाता है। अजंता और एलोरा की विख्यात गुफाएँ जिसके अतीत के गौरव को सुजोए हुए है। महाराष्ट्र की भूमि, राजस्थान का इतिहास, बंगाल और पंजाब की वीरगाथाएँ जिसकी स्वतंत्रता की साक्षी है। कुरूक्षेत्र, अयोध्या, नालंदा, लखनऊ, दिल्ली जैसे नगरों में जिसकी विविध पुण्य स्मृतियाँ आज भी जीती जागती हैं। वही राम, कृष्ण, बुद्ध और नानक की जन्मभूमि मेरा देश है।

पाठ 13 शब्द भंडार पर्यायवाची

(1) नीचे दिए गए चित्रो के दो दो पर्यायवाची लिखिए–

हाथी – गज, कुंजर वृक्ष – तरू, पेड़

सूरज – रवि, सूर्य आग – पावक, अनल

(2) निम्नलिखित शब्दों के दो दो पर्यायवाची लिखिए–

दिन – दिवस, वार पक्षी – खग, नभचर

अमृत – पीयूष, सुधा आकाश – नभ, आसमान

मित्र – दोस्त, साथी तीर – बाण, शर

सोना – कनक, स्वर्ण दूध – दुग्ध, क्षीर।

(3) सही मिलान कीजिए–

(क) नृप – राजा, नरेश, भूप

(ख) माँ – जननी, अंबा, माता

(ग) घर – निकेतन, गृह, भवन

(घ) वन – जंगल, अरण्य, कानन

विलोम शब्द

(1) रंगीन शब्दों के विलोम शब्दों द्वारा खाली स्थान भरिए–

(क) अस्त (ख) उन्नति, गुण (ग) सुख (घ) धनी

(2) सही विलोम शब्द से मिलान कीजिए–

आग – पानी धर्म – अधर्म

अमीर – गरीब उतार – चढ़ाव

महँगा – सस्ता

(3) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

(क) आशा – निराशा (ड) गुण – दोष

(ख) सुरक्षा– असुरक्षा (च) एक – अनेक

(ग) एकता – अनेकता (छ) मुर्ख – पण्ड़ित

(घ) सबल – निर्बल (ज) निरादर – आदर

श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द

(1) मौखिक उत्तर दीजिए–

(क) जो शब्द बोलने और सुनने में एक जैसे लगते है, किन्तु उनका अर्थ भिन्न भिन्न होता है, उन्हे श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द कहते है।

(2) नीचे दिए गए चित्रो के लिए उचित शब्द छाँटकर सही का निशान लगाइए–

गृह अनल बैल तरणि

(3) नीचे लिखे शब्दों का अन्तर वाक्य बनाकर स्पष्ट कीजिए–

(क) ग्रह – हमारे सौरमंडल में नौ ग्रह है।

गृह – मेरा गृह बहुत सुन्दर है।

(ख) अपेक्षा – मेरी अपेक्षा है की मै कक्षा में प्रथम आऊ।

उपेक्षा – उसने सब के सामने मेरी उपेक्षा की।

(ग) कोश – वर्णमाला हिंदी व्याकरण का कोश हैं।

कोष – राजा ने अपना कोष खोला।

(घ) सर – मेरे गाँव मे सर (तालाब) है।

शर – राम ने रावण पर शर छोडा।

(ड) ओर – मेरा स्कूल नगर की ओर है।

और – राम और श्याम भाई है।

(4) उचित शब्दो द्वारा खाली स्थान भरिए–

(क) राज (ख) परिणाम (ग) दीन (घ) दिशा (ड) शोक

अनेकार्थी शब्द

(1) नीचे दिए गए शब्दों के दो दो अर्थ लिखिए–

(क) तीर – किनारा, बाण

(ख) अमृत – दूध, जल

(ग) अंबर – वस्त्र, आकाश

(घ) कुल – वंश, सब

(ड) काल – समय, मृत्यु

(च) वर्ण – अक्षर, रंग

(2) दिए गए वाक्यों में उचित शब्द का प्रयोग कर वाक्य पूरे कीजिए–

(क) धन (पूँजी) (ख) फल (नतीजा)

(ग) स्वर (आवाज़) (घ) उत्तर (दिशा)

(3) नीचे दिए गए शब्दों से ऐसे वाक्य बनाइए कि उनके अर्थ अलग अलग स्पष्ट हो जाएँ–

(क) पूर्व – मेरा घर पूर्व दिशा की ओर है।

पूर्व – मै प्रातः काल सूर्य उदय से पूर्व उठ जाता हूँ

(ख) उत्तर – मेरें सवाल का उत्तर दो।

उत्तर – भारत के उत्तर मे हिमालय है।

(ग) कुल – मेरे कुल का नाम गौड है।

कुल – मेरी कक्षा में कुल चालीस बच्चे है।

(घ) अंबर – श्री कृष्ण पीला अंबर पहनते है।

अंबर – पक्षी अंबर में उड़ते है।

अनेक शब्दों के लिए एक शब्द

(1) निम्नलिखित अनेक शब्दो के एक शब्द लिखिए–

(क) अनादि (ख) दुष्कर (ग) अदृश्य (घ) अजर

(2) रंगीन वाक्यांशो के स्थान पर एक शब्द का प्रयोग करते हुए वाक्य दोबारा बनाइए–

(क) मै आस्तिक हूँ।

(ख) आकाश अनंत है।

(ग) चाणक्य दूरदर्शी थे।

(घ) वह अनाथ है।

(3) नीचे दिए गए वाक्यांशो को उचित शब्द से मिलाइए–

जिसका आदि न हो	अनादि
नगर में रहने वाला	नागारिक
जो कभी बूढ़ा न हो	अजर
जो छोटा भाई हो	अनुज
कम बोलने वाला	अल्पभाषी

(4) इन शब्दो के लिए वाक्यांश लिखो–

अपठित – जो पहले न पढ़ा हो

अग्रज – जो बड़ा भाई हो।

निःसंतान – जिसके कोई संतान न हो।

अनिवार्य – जिसे करना आवश्यक हो।

अजर – जो बूढ़ा न हो।

कहानीकार – कहानी लिखने वाला।

मांसहारी – जो मांस खाता हो।

साप्ताहिक – सप्ताह में एक बार होने वाला।

चित्रकार – चित्र बनाने वाला।

दर्शनीय – दर्शन करने योग्य।

विद्यार्थी – जो पढ़ता हो।

अध्यापिका – जो पढ़ाती हो।

आस्तिक – ईश्वर में विश्वास रखने वाला।

भाषा खेल

ऊपर से नीचे	**बाएँ से दाएँ**
(1) जादूगर	(2) नागरिक
(3) दर्शनीय	(4) आदरणीय
(5) अदृश्य	(6) चित्रकार
(7) कामचोर	

पाठ 14 मुहावरे

(1) निम्नलिखित मुहावरो का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग करिए–

मुहावरा	अर्थ	वाक्य प्रयोग

(क) अँगूठा दिखाना वक्त आने पर मनाकर देना काम पड़ने पर उसने मुझे अँगूठा दिखा दिया।

(ख) कान खड़े करना सर्तक होना कुछ गिरने की आवाज़ सुनकर कुत्ते के कान खड़े हो गए।

(ग) लाल पीला होना गुस्सा होना जरा जरा सी बात पर लाल पीला नही होना चाहिए।

(घ) नाच नचाना परेशान करना नेहा ने मुझे नाच नचा दिया।

(2) सही अर्थ तक रेखा खीचिए–

(क) ईद का चाँद बहुत दिनो बाद दिखाई देना

(ख) कमर टूटना कड़ी मेहनत करना

(ग) चार चाँद लगना मान बढ़ाना

(घ) मक्खी मारना समय बर्बाद करना

(ड) दिल पसीजना दया आना

(छ) अक्ल का दुश्मन मुर्ख

(छ) दाल न गलना सफल न होना

(3) सही अर्थ पर सही का निशान लगाइए–

(क) नष्ट करना (ख) मन अशांत होना (ग) मुँह मोड लेना (घ) आसान काम

(4) निम्नलिखित मुहावरो के सही अर्थ लिखिए–

(क) भूख लगना।

(ख) कड़ी मेहनत करना।

(ग) चुगली करना

(घ) मुकाबला करना।

(ड) खुशियाँ मनाना।

(च) बुरी तरह हारना।

(छ) गुस्सा होना।

(5) नीचे लिखे वाक्यों द्वारा पूरा कीजिए–

(क) बुढापे की लाठी था।

(ख) जान पर खेल जाते है।

(ग) कान भर दिए।

(घ) पापड़ बेलता।

(ड) कोल्हू का बैल।

(6) चित्र से मेल खाते मुहावरे व उनके अर्थ लिखिए–

आँख का तारा होना	अत्यधिक प्रिय होना।
कान खड़े करना	सर्तक होना।
घी के दिए जलाना	खुशियाँ मनान
ईद का चाँद	बहुत दिनो बाद दिखाई देना
अँगूठा दिखाना	वक्त आने पर मनाकर देना

पाठ 15 लोकोक्तियाँ

(1) नीचे दिए गए चित्रो के लिए उपयुक्त लोकोक्तियाँ लिखिए–

आ बैल मुझे मार मुहँ में राम बगल मे छुरा दीपक तले अंधेरा अंधो में काना राजा

(2) निम्नलिखित अधूरी लोकोक्तियों को स्वयं लिखकर पूरी कीजिए–

(क) आँच नही

(ख) बाजे घना

(ग) सब भला

(घ) फिके पकवान

(ड) आटा गिला

(च) दो काज

(छ) भैंस बराबर

(ज) काना राजा

(3) उदाहरण के अनूसार मिलान कीजिए–

(क) आ बैल मुझे मार	स्वयं विपत्ति मे फँसना
(ख) एक पंथ दो काज	एक काम से दोहरा लाभ
(ग) एक अनार सौ बीमार	एक ही वस्तु के अनेक लोग इच्छुक
(घ) कंगाली में आटा गीला	गरीबी में और मुसीबत
(ड) आगे कुआ पीछे खाई	दोनो ओर संकट
(च) खोदा पहाड़ निकली चूहिया	परिश्रम अधिक फल कम
(छ) मुँह में राम बगल मे छुरा	देखने में सज्जन हृद्वय से कपटी
(ज) जिसकी लाठी उसकी भैंस	ताकतवर की विजय

(4) अधूरे वाक्यों को लोकोक्तियों की सहायता से पूरे कीजिए–

(क) होय का जब चिड़िया चुग गई खेत।

(ख) मुर्गी दाल बराबर।

(ग) एक पंथ दो काज

(घ) भैंस बराबर है।

(ड) अंधे मे काना राजा।

(च) उसी की भैंस

भाषा खेल

(1) पापा जी अस्पताल मे भर्ती है क्योकि वह बीमार है।

(2) राधा और राहुल खेल रहे है।

(3) तुमने बहुत मेहनत की इसलिए तुम जीत गए।

(4) लोमडी के अंगूर नही मिले क्योकि वह बहुत ऊँचे थे।

(5) गाँव के बीच से सड़क जा रही है ताकि उसपर चला जा सके।

(6) महात्मा गाँधी हमारे देश के परमपिता है और वह अहिंसा में विश्वास रखते थे ।

पाठ 16 संवाद लेखन

(1) फल वाले और ग्राहक के बीच संवाद पूरा कीजिए–

फलवाला :– भाई आपको क्या चाहिए?

रमेश :– मुझे फल चाहिए।

फलवाला :– बताइए कौन से फल चाहिए?

रमेश :– कौन कौन से फल है आपके पास?

फलवाला :– मेरे पास, आम , अनार, केला, नाशपाती, है।

रमेश :– मुझे एक दर्जन केले व एक किलो आम दे दीजिए।

फलवाला :– ये लो भाई।

रमेश :– कितने पैसे हुए आपके?

(2) इन विषयों पर लघु संवाद लिखिए–

(क) डॉक्टर और रोगी के बीच संवाद–

रोगी :– डॉक्टर साहब, मुझे कल रात से हल्का सा बुखार आ रहा है।

डॉक्टर :– ढण्ड तो नही लग रही है?

रोगी :– ढण्ड तो नही लग रही है, परन्तु में शरीर में दर्द महसूस हो रहा है।

डॉक्टर :– क्या छींके भी आ रही है?

रोगी :– सवेरे के समय चार पाँच छींके एक साथ आई थी।

डॉक्टर :– ये दवाई ले लो, दो दिन की दवा है। दिन में तीन चार बार दो दो गोली चार घंटे के अन्तराल से ले लेना।

(ख) माँ और बेटी के बीच परीक्षा की तैयारी के बारे में संवाद लिखिए–

माँ :– बेटी क्या तुमने परीक्षा की तैयारी कर ली है?

बेटी :– हाँ माँ मैने तो सारी तैयारी कर ली है। लेकिन आज कुछ ऐसे विषय है,जिन पर थोडा भरोसा नही हो पा रहा है।

माँ :– कोई बात नही बेटा तुम बार बार अभ्यास करो ताकि तुममें प्रश्न हल करने का आत्मविश्वास आए।

बेटी :– हाँ तुम बिल्कुल सही कह रही हो, मै ऐसा ही करती हूँ।

(ग) मलिक तथा नौकर के बीच दस दिन की छुट्टी मॉगने के संबंध में संवाद लिखिए–

नौकर :– नमस्ते मालिक,

मालिक :– नमस्ते रामू आज लेट कैसे हो गए?

नौकर :– मालिक कुछ नही बस मेरी पत्नी बीमार है

मालिक :– क्या हुआ उसे?

नौकर :– मालिक पता नही कुछ दिनो से बहुत खाँसी है।

मालिक :– अच्छे से अस्पताल और डाक्टर को दिखाओ।

नौकर :– मालिक मुझे दस की छुट्टी चाहिए।

मालिक :– कोई बात नही तुम आराम से जाओ अच्छे से इलाज कराओ।

(घ) सब्जीवाला तथा ग्राहक के मध्य का वर्तलाप–

ग्राहक :– मटर और गाजर क्या भाव है?

सब्जीवाला :– मटर पन्द्रह रूपये किलो और दस रूपये किलो है।

ग्राहक :– अच्छा और आलू?

सब्जीवाला :– आलू बीस रूपये किलो, बताइए कितना कितना दूँ?

ग्राहक :– एक किलो मटर, आधा किलो गाजर और एक किलो आलू।

सब्जीवाला :– अच्छा, ये लो।

ग्राहक :– कितना हुआ?

सब्जीवाला :– चालीस रूपये हुए।

ग्राहक :– ये लिजिए।

(ड़) अध्यापक व शिष्य के मध्य संवाद ।

अध्यापक :– विजय तुमने शोर क्यों मचाया?

विघार्थी :– माफ करिए श्रीमान।

अध्यापक :– मै तुम्हे कितनी बार मॉफ कर चुका हूँ, और तुम सुधरने का नाम नही लेते हो।

विघार्थी :– अगली बार से ऐसा नही करूँगा।

अध्यापक :– तुम विघालय पढ़ने लिखने आते हो या मस्ती करने। अब जबाव दो तुम ऐसा क्यों करते हो।

पाठ 17 पत्र लेखन

(1) अपने विघालय की प्रघानाचार्य को फीस माफी के लिए प्रार्थना पत्र लिखिए।

सेवा में,

प्रधानाचार्च जी,

डी ए वी पब्लिक स्कूल

विकास पुरी, नई दिल्ली

12 / 09 / 2022

विषय – फीस माफी के प्रार्थना पत्र।

महोदय,

सविनय निवेदन इस प्रकार है की मेरा नाम सुरेश कुमार है। मै आपके विघालय के क़क्षा आठवीं का छात्र हूँ। मेरे पिताजी किसान है और हमारी अजीविका उन्ही की कमाई से चलती है। लेकिन इस वर्ष फसल खराब होने की वजह से हमारी आर्थिक स्थिति खराब हो गई है। जिस कारण पिताजी मेरी फीस देने में असमर्थ है। अतः मेरे परिवार की आर्थिक स्थिति को देखते हुए आपसे निवेदन है कि मेरी इस वर्ष की फीस माफ करने की कृपा करें। इसके लिए मै आपका सदा आभारी रहूँगा।

धन्यवाद

आपका आज्ञाकारी शिष्य

सुरेश कुमार

(2) 670, वसुंधरा

गजियाबाद,

25 सिंतबर 2021

आदरणीय नाना जी,

सादर चरण स्पर्श आप कैसे है व आपका स्वास्थ्य कैसा है? आपके द्वारा भेजा गया उपहार आज ही प्राप्त हुआ। डाकिये ने जैसे ही डाक दिया, मै समझ गया की आपको अपना वादा याद था। गत् वर्ष आपने मुझे वचन दिया था कि आप मेरे जन्मदिन पर घड़ी उपहार मे देऐगे। आपका यह उपहार अमूल्य है।

नाना जी को प्रणाम

आपका

रजनीश।

कुछ अन्य पत्र

(1) 670, वसुंधरा

गजियाबाद,

25 सिंतबर 2021

प्रिय मित्र सुरेश,

नमस्ते।

आशा करता हूँ तुम सकुशल होंगे। आज ही तुम्हारे मामा जी से पता चला की तुमने परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। यह सचमुच गर्व की बात है कि आपने इस परीक्षा में अच्छा प्रदर्शन किया है। मै आपके जीवन में आगे भी और सफलताएँ देखना चाहता हूँ। बधाई देने के अलावा मै आपको अपार शुभकमानाएँ देता हूँ।

तुम्हारा मित्र

रवि।

(2) 26 सेक्टर, भाटिया निवास,

शिमला,

05 जनवरी 2022

प्रिय राहुल,

कैसे हो? आशा करता हूँ की तुम ढीक होगे। इस के माध्यम से मै तुम्हें कुछ बातें समझना चाहता हूँ। तुम्हे पिता जी ने इस बार बाइक खरीद दी है। अब तुम्हें ध्यान रखना है बाइक बहुत तेज नही चलानी है। हमेशा लाइसेंस साथ रखना और हेलमेट का हमेशा प्रयोग करना। लापवाही से दुर्घटना होती है। आशा करता हूँ तुम मेरी बातों को समझोगे और आराम से बाइक चलाओगे।

तुम्हारा बड़ा भाई

आयुष।

पाठ 18 निबंध लेखन

निम्नलिखित विषयों पर निबंध लिखिए–

(1) स्वच्छता का महत्व

प्रस्तावना – साफ सफाई हमारे जीवन का एक महत्वपूर्ण पहलू है। यह हमारे जीवन की प्राथमिकता भी है। स्वच्छता जरूरी है क्योकि साफ सफाई से हम जीवन में आने वाली सभी परेशनियो से मुक्ति पा सकते है।

स्वच्छता का महत्व – अभी कोरोना काल में रोगियों की बढती जनसंख्या एवं अस्पतालो में साफ सफाई को ध्यान देने की आवश्यकता से यह बात और भी स्पष्ट हो गई है, कि जीवन में स्वच्छता की कितनी जरूरत है।

स्वच्छ भारत अभियान – प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा स्वच्छ भारत अभियान 2 अक्टूबर 2014 को महात्मा गाँधी की 145 वीं जयतीं पर चलाया गया एक महत्वपूर्ण अभियान है। यह अभियान नई दिल्ली के राजघाट से शुरू किया गया। स्वच्छता को बनाये रखने के लिए इधर उधर कजरा नही भेजना चाहिए। कचरा हमेशा कूड़ेदान में ही फेंकना चाहिए। कहा भी गया है की स्वच्छता में ईश्वर का वास होता है।

(2) खेलो का महत्व – शारीरिक गतिविधियो में शमिल होने के लिए खेल सबसे अच्छा तरीका है, जो बहुत लाभदायक है। बहुत से देशो में खेलो को बहुत अधिक महत्व दिया जाता है। क्योकि वे एक व्यक्ति के जीवन में खेल के वास्तविक लाभ और व्यक्गित व पेशेवर जीवन में इसकी आवश्यकता को जानते है। खेल सभी के व्यस्त जीवन मे महत्वपूर्ण है, विशेष रूप से विघार्थियो के जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यहाँ तक कि पूरे दिन में से कम से कम थोड़े समय के लिए सभी खेलो में सक्रिय रूप से भाग लेना चाहिए। खेल हमें शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ्य रखते है। इसलिए खेलो का हमारे जीवन में एक महत्वपूर्ण स्थान है। हमें अपनें स्कूल की समय समय पर होने वाली खेल गतिविधियो मे हिस्सा लेते रहना चाहिए।

(3) मेरा प्रिय विघालय – स्कूल एक ऐसी जगह है जहां बच्चे बड़े हो सकते है और खेल सकते है। मेरा स्कूल वह है जहां मै अपना अधिकांश दिन बिताता हूँ, और इसने मेरे जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मेरे स्कूल में अच्छी तरह से रखे गए बगीचों और खेल के मैदानो के साथ एक सुंदर परिसर है। इसमें एक अच्छी तरह से सुसज्जित पुस्तकालय, विज्ञान प्रयोगशालाएँ और कंप्यूटर प्रयोगशालाएँ है, जो सभी हमारी पढ़ाई में सहायता करती हैं। कक्षाएँ विशाल और अच्छी तरह हवादार है। जिनसें सीखने का अनुकूल महौल बनता है। शिक्षाविदों के अलावा, मेरा विघालय खेल, संगीत, नृत्य और नाटक जैसी गतिविधियों पर जोर देता है। पूरे वर्ष के दौरान ,स्कूल छात्रो को अपनी प्रतिभा और कौशल दिखाने के लिए कई तरह के कार्यक्रम और प्रतियोगिताओ का आयोजन करता है।

मेरे विघालय के शिक्षक जानकर , अनुभव और सहायक है। वे न केवल हमें विषय पढ़ाते है, बल्कि हमें व्यक्तिगत और सामजिक रूप से विकसित करने में भी मदद करते है। वे हमेशा हमारी सहायता करने, और हमें आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए तैयार रहते है।

संक्षेप में, मेरा विघायल सीखने की जगह से कहीं अधिक है, यह एक ऐसी जगह भी है जहां मैने अजीवन दोस्त बनाए है, बहुमूल्य अनुभव प्राप्त किए है। और ऐसी यादें बनाई है जिन्हें मै अपने शेष जीवन के लिए संजो कर रखूँगा।

(4) समय अनमोल है – समय संसार में सबसे अधिक मूल्वान है। समय से अधिक मूल्यवान कुछ भी नही है। संसार की सभी वस्तुएँ नष्ट होने के बाद पुनः प्राप्त की जा सकती है, किंतु समय बीत जाने के बाद फिर से प्राप्त नहीं होता। अतः संत कवि कबीर ने कहा है–

काल करै सौ आज कर, आज करे सै अब।

पल में परलै होयगी, बहुरि करैगो कब।।

समय निरंतर गतिशील है। यह किसी के लिए नही रूकता। जो समय को नष्ट करता है, समय उसे नष्ट कर देता है। समय कर सदुपयोग करने वाला सफलता की ऊँचाइयों तक पहुँच जाता है। अतः समय बड़ा बलवान है, इसका सदुपयोग करने वाला भिखारी भी नगरसेठ बन जाता हैं समय का सदुपयोग करने के कारण ही सम्राट चंद्रगुप्त व नैपोलियन संसार में प्रसिद्व हुए। समय के सदुपयोग के कारण बड़े बड़े वैज्ञानिक विविध आविष्कार कर संसार में प्रसिद्व हुए।

समय का सदुपयोग करने वाला अपना शत्रु स्वयं होता है। समय का दुरूपयोग करने वाले व्यक्ति अपना तो समय नष्ट करते ही है, उनके कारण आने वाली को भी पछताना पड़ता है।

समय का सदुपयोग वरदान तुल्य है तो दुरूपयोग अभिशाप की ज्वाला। अतः आवश्यक है कि समय के प्रत्येक क्षण का मूल्य समझकर उसका सदुपयोग किया जाए।

(5) **रंगो का त्योहार होली :** होली रंगो का त्यौहार है। जिसे हर धर्म के हर जाति के लोग मनाते हैं। यह हर साल फाल्गुन मास में मनाया जाता है। होली पर हम रंग बिरंगे रंगो से खेलते है। होली पर हम घर में बहुत सारे पकवान बनाते है। होली पर सभी के घरो में गुजिया बनाई जाती है। हर त्योहार की तरह इस त्योहार का मकसद भी धर्म, सम्प्रदा और जाति के बंधन खोलकर एकत्र होना और दुनिया भर में प्रेम का सन्देश देना है। इस दिन सभी अपने पुराने गिले शिकवे छोड़कर एक दूसरे के गले मिलकर गुलाल लगाते है।

हर साल होली के पहले दिन पूर्णिमा की रात को होलिका दहन की जाती है। होली के दिन सभी अपने घरो में पकवान बनाते है और रिश्तेदारें के घर जाकर एक दूसरे को रंग लगाते है। गुलाल क्रूरता प्रेम की, घंमड पर भक्ति की, अन्याय पर न्याय की जीत का प्रतीक है। इसलिए इस पर्व पर सभी रंगो से खेल कर खुशियाँ मनाते है। इस पर्व पर हमें अपने भीतर की सभी बुराई को नष्ट कर देना चाहिए।

(6) **नदियो का महत्व –** प्राचीन काल से ही नदियाँ माँ की तरह हमारा भरण पोषण करती आ रही है। नदियो की वजह से सभ्यताएँ पनपती है, बस्तियाँ बसती है। ये नदियो का कल कल करता हुआ जल ही है जो मनुष्य और धरती की प्यास बुझाता है। इसके अलावा, हम जब भी समस्याओ में उलझे हुए होते है तो इन्ही नदी रूपी माताओ के पास जाकर ही सुकून और शंति की तलाश करते है।

हिन्दू धर्म में तो मनुष्य जीवन की अंतिम यात्रा इन्ही की गोद में खत्म करता है। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि निःस्वार्थ भाव से मानव जाति को अपना सर्वस्व न्योछावर कर देने वाली इन नदियों को बदले में प्लास्टिक , कचरा और गंदगी दे रहे है। शायद ईश्वर के इस अनमोल खजाने को सहेजने के लिए हम गंभीर इसलिए नहीं है क्योकि हमे इसकी महत्ता अंदाजा नही है। जिस दिन हम पूरी तरह से इनके महत्व को समझ जाएँगे उस दिन खुद से नदियों को स्वच्छ और संरक्षित रखना शुरू कर देगें।

पाठ 19 सूचना लेखन

कोई भी आवश्यक सूचना अपने शब्दों में लिखिए–

प्रिय छात्रों!

आपको सूचित किया जाता है कि अगले सप्ताह हमारें विघालय में एक खेल प्रतियोगिता का अयोजन किया जा रहा है। जो विघार्थी इस प्रतियोगिता मे भाग लेना चाहता है वह आफिस फार्म ले लें। उसमें अपना नाम, पता, टेलीफोन नंबर आदि भरकर अपने माता पिता के हस्ताक्षर करवाकर ऑफिस में करवा दें।

दिनांक

12/03/2021

पाठ 20 चित्र वर्णन

नीचे दिए गए चित्र का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए–

यह एक थीम पार्क का नदी किनारे का चित्र है। जहां झूले पर कुछ बच्चे झूला झूल रहे है। दो बच्चे नदी में वोटिंग कर रहे है। पार्क में एक जादूगर भी है जो बच्चो का जादू दिखा रहा है। एक म्यूजिशियन भी है जो पियानो बजा कर बच्चो को खुश कर रहा है।

पाठ 21 कहानी लेखन

चित्रो की सहायता से कहानी पूरी कीजिए–

एक कुत्ता था वह बहुत भूखा था। रास्ते में उसे एक हड्डी पड़ी मिली। उसने उसे अपने मुहँ में दबाया और नदी किनारे जाने लगा। जब वह नदी के पुल पर पहुँचा तो उसने पुल से जब नीचे देखा तो पानी में उसे अपनी ही तस्वीर दिखी मुँह में हड्डी दबाए हुए। उसने उस तस्वीर को देखकर सोचा यह एक ओर कुत्ता है, जिसके पास हड्डी है। क्यों न मै इससे ये हड्डी भी छीन लू और मेरे पास दो हड्डी हो जाएगी। जैसे ही उसने भौंकने के मुँह खोला उसकी हड्डी भी पानी में गिर गई और वह भूखा ही रह गया।

पाठ 22 अपठित गघांश

(1) (क) हीरा मोती दो बैल थे।

(ख) उनपर एक सांड ने वार किया।

(ग) इसका अर्थ है कि मिलकर काम करने से हम किसी भी मुसीबत से निकल सकते है।

(घ) दोनो ने खेत में मटर खाई।

(ड) कांजी हाउस पशुओ का कैदखाना होता है।

(2) (क) जो समय का सदुपयोग करता है वह जीवन सफलता पाता है।

(ख) मैडम क्यूरी ने।

(ग) ज्ञानी व्यक्ति अपने जीवन के हर क्षण का प्रयोग करता है।

(घ) समय का सदुपयोग।

(3) (क) कौआ घमंडी था।

(ख) क्योकि वह सभी कौओं को अपने से हीन समझता था।

(ग) कौआ मोरो के साथ रहना चाहता है।

(घ) मोर के पंख लेकर कौए ने अपने पूरे शरीर को सजा लिया।

(4) (क) तैराकी एक कला एवं व्यायाम है। तैराकी से स्वास्थ्य बनता है।

(ख) राष्ट्रीय एवं अतंर्राष्ट्रीय स्तर की।

(ग) जल का सुखद स्पर्श तन मन की थकान मिटाकर नव स्फूर्ति प्रदान करता है।

(घ) विशेषण – प्रिय, कला

भाववाचक संज्ञा – तैराकी, स्वास्थ्य।

भाषा खेल

घन	**पत्र**	**कनक**	**जलज**
बादल	लैटर	सोना	कमल
हथौडा	पत्ता	गेहूँ	शंख

प्रश्न पत्र 1

(1) भाषा वह साधन है, जिसके द्वारा हम बोलकर, सुनकर, लिखकर या पढ़कर अपनी बात दूसरो तक पहुँचाते है, और दूसरो की बातो को समझते है।

भाषा के दो रूप होते है।

(क) मौखिक भाषा (ख) लिखित भाषा

(2) स्वर :– इन्हे बोलने के लिए किसी अन्य वर्ण की सहायता नही ली जाती है। इनकी संख्या 11 होती है।

व्यंजनः– इन्हे बोलने के लिए स्वरो की सहायता ली जाती है। इनकी संख्या 33 होती है।

(3) दो या दो से अधिक शब्दो के सार्थक मेल को वाक्य कहते है।

(4) किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान आदि के नाम को नाम को संज्ञा कहते है।

संज्ञा के तीन भेद होते है–

(1) व्यक्तिवाचक संज्ञा (2) जातिवाचक संज्ञा (3) भाववाचक संज्ञा

(5) जो शब्द संज्ञा के स्थान पर प्रयोग किए जाते है, वे सर्वनाम कहलाते है।

सर्वनाम के छः भेद होते है।

(1) पुरूषवाचक सर्वनाम (2) निश्चयवाचक सर्वनाम (3) अनिश्चयवाचक सर्वनाम (4) संबधवाचक सर्वनाम

(5) निजवाचक सर्वनाम (6) प्रश्नवाचक सर्वनाम

(6) पढ़ना – पढ़ाई शिशु – शिशुत्व

मधुर – मधुरता मीठा – मीठापन

उदास – उदासी सुंदर – सुंदरता

(7) छत – छतें सड़क – सड़के

कन्या – कन्याएँ मक्खी – मक्खियाँ

आँख – आँखें झाड़ी – झाड़ियाँ

(8) हाथी – हथनी राजा – रानी

मुर्गा – मुर्गी दादा – दादी

घोड़ा – घोड़ी पिता – माता

(9) गिलास में पानी भरा है।

बंदर पेड़ पर बैठा है।

(10) खुद – वह अपना काम खुद करता है।

वह – वह स्कूल जा रहा है।

तुम्हारा – तुम्हारा नाम क्या है?

अपने आप – अपना काम अपने आप करो।

(11)

उद्देश्य	विधेय
बच्चे	पार्क में खेल रहे है।
दादा जी	खाना खा रहे है।
कोयल	मीठा गीत गाती है।

प्रश्न पत्र 2

(1) संज्ञा या सर्वनाम शब्दों की विशेषता बताने वाले शब्दो को विशेषण कहते है।

विशेषण के चार भेद होते है–

(1) गुणवाचक (2) संख्यावाचक (3) परिणाम वाचक (4) सार्वनामिक

(2) जिस शब्द से काम का होना या करना पाया जाता, उसे क्रिया कहते है।

उदाहरण –सीमा नृत्य दिखा रही है।

(3) जो शब्द क्रिया के काल, स्थान, रीति आदि की विशेषताएँ बताते है, उन्हें क्रियाविशेषण कहते है।

क्रियाविशेषण के चार भेद होते है–

(1) स्थानवाचक (2) कालवाचक (3) रीतिवाचक (4) परिणामवाचक

(4) संबंधबोधक वे अविकारी शब्द है,जो संज्ञा या सर्वनाम के बाद आकर उनका संज्ञा या सर्वनाम के साथ संबंध का बोध कराते है।

(5) समान अर्थ देने वाले शब्दो को पर्यायवाची शब्द कहते है।

(6) अकर्मक

सकर्मक

सकर्मक

अकर्मक

(7) अचानक – बच्चा अचानक से रो पड़ा।

प्रतिदिन – हमें प्रतिदिन पढ़ाई करनी चाहिए।

धीरे धीरे – धीरे धीरे बारिश हो रही है।

उधर – उधर एक खेल का मैदान है।

(8) के पास – उसके घर के पास एक मंदिर है।

के सामने – मेरे स्कूल के सामने खेल का मैदान है।

के मारे – वह दर्द के मारे रोने लगी।

के अंदर – वह घर के अंदर घुसा बैठा है।

(9) ओह!

छिः

ओह!

सावधान!

(10) जल – नीर, पानी, अमृत

आग – अग्नि, अनल, कैनन

सूरज – सूर्य, रवि, भानू

फूल – कुसुम, सुमन, पुष्प

(11) अपना – पराया

बदबू – खुशबू

गर्म – ठण्ड़ा

आकाश – पाताल

गहरा – हल्का

खुश – उदास